पत्थर में हैं राम | Rakesh Kala

जाने क्यों लगता है मुझको पत्थर में है राम
पत्थर को ही पूजा रहा मैं सुबह और शाम

राम सिया राम सिया राम जय जय राम

अब तो यू लगता है जैसे ये नाम ही मेरा साथी
राम नाम जपते ही दिल में जागृत होती ज्योति

उनकी मूरत आँखों में समा राखी मैंने
क्या है वो हो पत्थर मुझको तो प्यार मिला

राम सिया राम सिया राम जय जय राम

जाने क्यों लगता है मुझको पत्थर में है राम
पत्थर को ही पूजा रहा मैं सुबह और शाम

राम सिया राम सिया राम जय जय राम

अब तो मन लगता है इस छोटे से ही पत्थर में
मन तो ऐसा लगता जैसे राम हो वाह खड़े

उनके दर्शन छुप रहे पत्थर की मूरत में
आदमी से गर तुम देख लो राम ही वाहा मिले

राम सिया राम सिया राम जय जय राम

जाने क्यों लगता है मुझको पत्थर में है राम
पत्थर को ही पूजा रहा मैं सुबह और शाम

राम सिया राम सिया राम जय जय राम

यूं तो हर एक चीज में मुझको दिखते हैं रघुबर
ये तो है हम पर कहा देखे कहा ना देखे

उनकी सूरत तो दिल में बसाके रखा हो
क्या मजाल है पत्थर में ना दिखे राम

राम सिया राम सिया राम जय जय राम

जाने क्यों लगता है मुझको पत्थर में है राम
पत्थर को ही पूजा रहा मैं सुबह और शाम

राम सिया राम सिया राम जय जय राम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%a5%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-rakesh-kala/